

एक्सआईएसएस : दो दिवसीय सेमिनार का समापन

## हमारा उद्देश्य समुदाय में बदलाव लाना : कुलपति



सिटी रिपोर्टर | रांची

हमारा उद्देश्य समुदाय में बदलाव लाना, महिलाओं को निर्णय लेने की क्षमता के साथ सशक्त बनाना और संसाधनों तक उनकी पहुंच को बढ़ाना है। यह तभी प्राप्त किया जा सकता है यदि हम अपने पाठ्यक्रमों को समृद्ध करें, अपनी नीतियों पर फिर से विचार करें और उन अंतरों की पहचान करें जहां इसकी कार्रवाई शुरू की जानी चाहिए। ये बातें सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सोनाझरिया मिंज ने पूर्वी भारत में महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण और महिला समूहों की भूमिका पर आयोजित कॉन्फ्रेंस के दूसरे और समापन समारोह पर व्याख्यान के दौरान कहीं। एक्सआईएसएस रांची, सेंटर

फॉर कैटलाइजिंग चेंज (सी3 सक्षमा) और इंडियन एसोसिएशन फॉर वुमन स्टडीज (आईएडब्ल्यूएस) द्वारा आयोजित इस दो-दिवसीय कॉन्फ्रेंस का समापन हुआ। इससे पहले दिन की शुरुआत आजीविका और बाजार तक महिलाओं की पहुंच: महिलाओं के समूह, माइक्रोक्रेडिट और सरकार की भूमिका विषय पर एक पैनल चर्चा के साथ हुई। एक्सआईएसएस के निदेशक डॉ. जोसफ मरियानुस कुजूर एसजे ने कहा कि सभी क्षेत्रों में महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए इस तरह के महत्वपूर्ण संवाद आज के समय की आवश्यकता है। इसमें 30 शोधपत्र प्रस्तुत किए गए। पेपर प्रस्तुतकर्ताओं और सम्मेलन में भाग लेने वाले छात्रों के बीच प्रमाण-पत्र वितरण किया गया।

Press - Dainik Bhaskar

# मनरेगा को रोजगार का माध्यम नहीं मानकर संसाधन समझें : सोनमणि

**एक्सआइएसएस**

संवाददाता, रांची

मनरेगा को रोजगार का माध्यम समझने की जगह इसे ग्रामीण महिलाओं के लिए संसाधन के रूप में विकसित करना होगा. मनरेगा से महिलाओं का सतत व्यक्तिगत विकास हो सकता है. ये बातें पीसीआई की वरिष्ठ कार्यक्रम प्रबंधक सोनमणि चौधरी ने कहीं. वह शनिवार को एक्सआइएसएस में आयोजित सम्मेलन को संबोधित कर रही थीं. सम्मेलन का विषय - पूर्वी भारत में महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण और महिला समूहों की भूमिका था. इस मौके पर सिद्धे कान्हू मुर्मू



कार्यक्रम में सम्मानित करते अतिथि.

विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ सोनाझरिया मिंज ने कहा कि हमारा उद्देश्य समुदाय में बदलाव लाना, महिलाओं को निर्णय लेने की क्षमता के साथ सशक्त बनाना और संसाधनों तक उनकी पहुंच को बढ़ाना है. यह तभी हासिल होगा, जब विभिन्न पाठ्यक्रमों को समृद्ध किया जा सकेगा. सरकार को अपनी नीतियों पर

फिर से विचार करना चाहिए.

**संवाद वर्तमान समय की जरूरत :** निदेशक डॉ जोसफ मरियानुस कुजूर एसजे ने कहा कि सभी क्षेत्रों में महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए इस तरह के महत्वपूर्ण संवाद वर्तमान समय की जरूरत हैं. इस दौरान देशभर से चुने गये 30 शोधपत्र की प्रस्तुति हुई.

Press - Prabhat khabar

जेवियर इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल सर्विस में कार्यशाला का आयोजन

# महिलाओं को सशक्त बनाना हो उद्देश्य: मिंज

## कार्यक्रम

रांची, वरीय संवाददाता। सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो सोनाझरिया मिंज ने कहा कि हमारा उद्देश्य महिलाओं में निर्णय लेने की क्षमता का विकास करने के साथ उन्हें सशक्त करना होना चाहिए। साथ ही संसाधनों तक उनकी पहुंच को बढ़ाते हुए समुदाय में बदलाव लाना भी एक उद्देश्य होना चाहिए।

प्रो मिंज 'महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और पूर्वी भारत में महिला समूहों की भूमिका' पर जेवियर इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल सर्विस (एक्सआईएसएस) में आयोजित कार्यशाला में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि इन उद्देश्यों की प्राप्ति तभी संभव है जब हम अपने पाठ्यक्रमों को समृद्ध करेंगे। कहा कि, अपनी नीतियों पर फिर से विचार करें और उन अंतर्गामी पहचान करें जहां इसकी कार्रवाई शुरू की जानी चाहिए।



एक्सआईएसएस में आयोजित सेमिनार में शनिवार को विचार रखती एक वक्ता।

एक्सआईएसएस के निदेशक डॉ जोसफ मरियानुस कुजूर एसजे ने इस बात पर प्रकाश डाला कि सभी क्षेत्रों में महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए इस तरह के महत्वपूर्ण संवाद आज के समय की आवश्यकता है।

कार्यक्रम में सोनमणि चौधरी ने मनरेगा में महिलाओं की भागीदारी: मनरेगा के तहत महिलाओं के लिए सतत व्यक्तिगत उत्पादक संपत्ति का निर्माण पर अपना शोध प्रस्तुत किया। उन्होंने मनरेगा को रोजगार मानने की

जगह ग्रामीण महिलाओं के लिए एसेट बनाने पर जोर दिया। इसके बाद बिहार में स्टार्ट-अप विलेज एंटरप्रेन्योरशिप प्रोग्राम के मूल्यांकन पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया गया। अंत में महिला समूह और शहरी महिलाओं की आर्थिक क्षमता पर चर्चा की गई थी, जिसपर ओम प्रकाश ने विचार व्यक्त किये।

यह दो दिवसीय कार्यक्रम सेंटर फॉर कैटलाइजिंग चेंज (सी-3), और इंडियन एसोसिएशन फॉर वुमन स्टडीज के सहयोग से आयोजित किया गया।

Press - Hindustan



# Empower women, enable them with decision-making capacity, and entrust them with resources to bring change in the society: VC, SKMU

PNS : RANCHI

**O**ur aim is to bring change in the community, empower women with decision-making capacity and giving them access to resources. This can be achieved if we enrich our curriculum, revisit our policies, and look out for the gaps where true actions can be initiated. Our nation celebrates diversity, and unity in diversity should be our motive," said Prof Sonajharia Minz, Vice Chancellor, Sido Kanhu Murmu University during the Valedictory Lecture on the concluding day of the conference organised on "Economic Empowerment of Women in East India and the Role of Women's Collectives."

She also discussed the state's rich cultural diversity and the contribution of Jaipal Singh Munda in the context of women's representation in the Constituent Assembly. Collectively, we need to redefine women's empowerment by reimagining, realigning, and revising our agendas, she concluded.

Xavier Institute of Social Service (XISS), Ranchi, the Centre for Catalyzing Change (C3 Sakshama), and the Indian Association for Women's Studies (IAWS) concluded the two-day conference on "Economic Empowerment of Women in East India and the Role of Women's Collectives" on Saturday in the XISS Campus. This conference was sponsored by the Bill & Melinda Gates Foundation.

Earlier, the second day of the conference began with a panel discussion on the theme 'Women's Access to Livelihood and Markets: The



Role of Women's Collectives, Microcredit, and the Government' chaired by Prof Ishita Mukhopadhyay, President, Indian Association of Women's Studies and Professor of Economics, Calcutta University, Kolkata.

Director, XISS Dr Joseph Marianus Kujur, highlighted that setting a tone for such important dialogue of empowering women in all sectors is the need of the hour. He emphasised, "XISS's aim with this conference is to initiate a dialogue amongst the policy makers. XISS has taken this initiative to take the case of women empowerment as not just a knowledge disclosure but as a campaign." In his concluding lines, he stated that 'real women's empowerment is turning crises into possibilities and dreams into reality.'

Further in the conference, Sonmani Choudhary, Senior Programme Manager, PCI, Patna, presented her research on Women's Participation in MGNREGA: Creation of Sustainable Individual Productive Assets for Women Under MGNREGA. She emphasized creating assets for rural women rather than considering MGNREGA

as employment. It was followed up by a research paper presentation on the evaluation of a Start-Up Village Entrepreneurship Programme (SVEP) in Bihar: A Case Study of Women Entrepreneurs in Dhanarua Block in Patna District by Dr Shweta Chandra, Assistant Professor, Amity University, Patna. Mr Rahul Bhushan, PhD Scholar, Aryabhata Knowledge University addressed the Brick Kill Industry of Eastern India: An Economic Space of Systematic Gender Discrimination in his research.

Dr Madhu Smita Sahoo, Assistant Director - Research, Schedule Caste and Schedule Tribe Research Institute, Bhubaneswar focused on the research on Tribal Women SHG Members on Value Addition and Food Processing of Mahua: A Path Towards Women Empowerment. She discussed on how production and selling of mahua can generate scope of employment for women. A simultaneous panel was also held where discussions on Women's Collectives and Urban Women's Economic Capacity was done by Mr Om Prakash, Programme Manager, PCI, Patna.

Press - Pioneer

## महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण और पूर्वी भारत में महिला समूहों की भूमिका पर दो दिवसीय कांफ्रेंस हमारा उद्देश्य महिलाओं को निर्णय लेने की क्षमता के साथ सशक्त बनाना है : कुलपति



**फ्रीडम फाइटर संवाददाता**  
**रांची :** हमारा उद्देश्य समुदाय में बदलाव लाना, महिलाओं को निर्णय लेने की क्षमता के साथ सशक्त बनाना और संसाधनों तक उनकी पहुंच को बढ़ाना है। यह तभी प्राप्त किया जा सकता है यदि हम अपने पाठ्यक्रमों को समृद्ध करें, अपनी नीतियों पर

फिर से विचार करें और उन अंतरों की पहचान करें जहां इसकी कार्रवाई शुरू की जानी चाहिए। हमारा देश विविधता का उदाहरण है और विविधता में एकता ही हमारा मकसद होना चाहिए, ये बातें सिद्धो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय की कुलपति, प्रोफेसर सोनाझरिया मिंज ने 'पूर्वी

भारत में महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण और महिला समूहों की भूमिका' पर आयोजित कांफ्रेंस के दूसरे और समापन दिन पर अपने

### महिला सशक्तीकरण

समापन व्याख्यान के दौरान कहीं। उन्होंने संसद में महिलाओं के प्रतिनिधित्व के संदर्भ में राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विविधता और जयपाल सिंह मुंडा के योगदान की भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि हमें अपने विचारों की पुनर्कल्पना और पुनर्रचना करके महिला सशक्तीकरण को फिर से परिभाषित करने की आवश्यकता है।

Press - Freedom Fighter



# महिलाओं को सशक्त बनाना आज की आवश्यकता: कुलपति

**पंच संवाददाता**  
रांची। हमारा उद्देश्य महिलाओं को निर्णय लेने की क्षमता के साथ सशक्त बनाना और संसाधनों तक उनकी पहुँच को बढ़ाते हुए समुदाय में बदलाव लाना होना चाहिए, कुलपति, सिदो कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय, महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और पूर्वी भारत में महिला समूहों की भूमिका पर दो दिवसीय कांफ्रेंस का एक्सआईएसएस में समापन हमारा उद्देश्य समुदाय में बदलाव लाना, महिलाओं को निर्णय लेने की क्षमता के साथ सशक्त बनाना और संसाधनों तक उनकी पहुँच को

बढ़ाना है। यह अभी प्राप्त किया जा सकता है यदि हम अपने पाठ्यक्रमों को समृद्ध करें, अपनी नीतियों पर फिर से विचार करें और उन अंतरों की पहचान करें जहाँ इसकी कार्रवाई शुरू की जानी चाहिए। हमारा देश विविधता का उदाहरण है और विविधता में एकता ही हमारा मकसद होना चाहिए, ये बातें सिदो कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सोनाझरिया मिंज ने पूर्वी भारत में महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और महिला समूहों की भूमिका पर आयोजित कांफ्रेंस के दूसरे और समापन दिन पर



अपने समापन व्याख्यान के दौरान कहीं। उन्होंने संसद में महिलाओं के प्रतिनिधित्व के संदर्भ में राज्य

की समृद्ध सांस्कृतिक विविधता और जयपाल सिंह मुंडा के योगदान की भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि

हमें अपने विचारों की पुनर्कल्पना और पुनर्रचना करके महिला सशक्तिकरण को फिर से परिभाषित करने की आवश्यकता है। जेवियर समाज सेवा संस्थान एक्स आईएसएस, रांची, सेंटर फॉर कैटलाइजिंग चेंज सीउ सक्षमा और इंडियन एसोसिएशन फॉर वुमन स्टडीज आईएडब्ल्यूएस द्वारा आयोजित इस दो-दिवसीय कांफ्रेंस का समापन शनिवार को संस्थान में हुआ। वह कांफ्रेंस बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन द्वारा प्रायोजित था। इससे पहले सम्मेलन के दूसरे दिन की शुरुआत आजोविका और बाजार तक महिलाओं की पहुँच

महिलाओं के समूह, माइक्रोक्रेडिट और सरकार की भूमिका विषय पर एक पैनल चर्चा के साथ हुई, जिसकी अध्यक्षता प्रो इशिता मुखोपाध्याय, अध्यक्ष, आईए डब्ल्यूएस और अर्थशास्त्र की प्रोफेसर, कलकत्ता विश्व विद्यालय, कोलकाता ने की। एक्स आईएसएस के निदेशक प्रो डॉ जोसफ मरियानुस कुजूर एसजेने कार्यक्रम के शुरुआत में इस बात पर प्रकाश डाला कि सभी क्षेत्रों में महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए इस तरह के महत्वपूर्ण संवाद आज के समय की आवश्यकता है।

Press - Punch